टेरी की टीम के सदस्य जलवायु परिवर्तन का गंगा बेसिन में पड़ रहे प्रभाव का इलाहाबाद में अध्ययन करते हुए

टेरी की टीम के सदस्य बायोवेद शोध संस्थान में ग्लोबल ग्रीन की टीम एवं गांव वालों के साथ

टेरी की टीम ने इलाहाबाद में गंगा पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर किया सर्वेक्षण

टेरी की टीम के सदस्य शृंगवेरपुर में गाँववासियों से वार्तालाप करते हुए

टेरी की टीम द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय संस्था Highnoon के साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन का गंगा बेसिन पर क्या प्रभाव पड़ रहा है इसके लिए विषय Adaptation to changing water resources availability in northern India with respect to Himalayan Glacier retreat and changing mansoon pattern. टेरी की टीम इस सन्दर्भ में इलाहाबाद के विकास भवन में जल संरक्षण से सम्बन्धित विभिन्न सरकारी विभाग, परियोजना अधिकारी हीरा लाल एवं जिला विकास अधिकारी आर. सी. पाण्डेय के नेतृत्व में शामिल हुई। वहीं एन.जी.ओ. के रूप में ग्लोबल ग्रीन के सम्पादक मनोज श्रीवास्तव ने प्रतिनिधित्व किया। अपने फील्ड सर्वेक्षण में इस टीम ने ग्लोबल ग्रीन के नेतृत्व में शृंगवेरपुरम एवं आनापुर स्थल का सर्वेक्षण किया। शृंगवेरपुरम में गंगा के निवासियों एवं गाँव वालों से मिलकर जल की समस्या एवं नदी में घटते जलस्तर पर परिचर्चा की गई। आनापुर में बायोवेद के फार्म हाउस पर गाँव के लोगों को एकत्र कर सर्वेक्षण किया गया जिसमें प्रमुख रूप से जलवायु परिवर्तन का कृषि पर क्या प्रभाव पड़ रहा है एवं खेती में प्रयुक्त जल का स्रोत क्या है इस पर गाँव वालों से एवं कई प्रधानों से अलग-अलग वार्ता की गई। मंसूराबाद के प्रधान शिवराम मौर्या से बात की गई। मलाकमऊ के प्रधान संजय तिवारी ने भी नरेगा आदि में आने वाली समस्याओं को बताया व तालाबों को प्रमुख स्रोत के रूप में माना। उर्मिला, नंदलाल आदि लोगों ने परिचर्चा में भागीदारी की। टेरी की टीम ने इलाहाबाद के अन्य क्षेत्रों कोरांव एवं शंकरगढ़ जैसे स्थलों पर भी जाकर गाँव का भ्रमण किया व गाँववालों की समस्याओं को सुनकर उनके सुझाव भी लिए।

टेरी की टीम का नेतृत्व सुरुचि बडवाल कर रही थीं। उनकी टीम में तान्या सिंह जो जर्मनी से आई थीं, जेसिका टोरेन्स, स्नेहा बालकृष्णनन एवं संविता ने भागीदारी की। वहीं ग्लोबल ग्रीन के मनोज श्रीवास्तव, संजय पुरुषार्थी, बायोवेद शोध संस्थान के जय द्विवेदी, दीपक द्विवेदी एवं ए.डी.ओ. सन्तोष कुमार मौर्या ने भागीदारी की।

ग्लोबल ग्रीन्स

मार्च-अप्रैल 2011

राष्ट्रीय हिन्दी पत्रिका

पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास की आवाज